SOCIAL STUDIES

Class 10th

(ECONOMICS)

Chapter 2: भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

संक्षेप में लिखें

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्रश्न 1. कोष्ठक में दिए गए सही विकल्प का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

(क) सेवा क्षेत्रक में रोजगार में उत्पादन के समान अनुपात में वृद्धि _____। (हुई है / नहीं हुई है)
(ख) _____क्षेत्रक के श्रमिक वस्तुओं का उत्पादन नहीं करते हैं। (तृतीयक / कृषि)
(ग) _____क्षेत्रक के अधिकांश श्रमिकों को रोजगार सुरक्षा प्राप्त होती है। (संगठित / असंगठित)
(घ) भारत में_____संख्या में श्रमिक असंगठित क्षेत्रक में काम कर रहे हैं। (बड़ी/छोटी)
(ङ) कपास एक_____उत्पाद है और कपड़ा एक _____ उत्पाद है। (प्राकृतिक/ विनिर्मित)
(च) प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक की गतिविधियाँ _____ हैं। (स्वतंत्र / परस्पर निर्भर)

उत्तर (क) नहीं हुई है (ख) तृतीयक (ग) संगठित (घ) बड़ी (ङ) प्राकृतिक, विनिर्मित (च) परस्पर निर्भर ।

प्रश्न 2. सही उत्तर का चयन करें

अ. सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक _____आधार पर विभाजित हैं।
(क) रोजगार की शर्तें। (ख) आर्थिक गतिविधि के स्वभाव
(ग) उद्यमों के स्वामित्व। (घ) उद्यम में नियोजित श्रमिकों की संख्या

उत्तर (ग) उद्यमों के स्वामित्व।

MUKUTclasses

ब. एक वस्तु का अधिकांशतः प्राकृतिक प्रक्रिया से उत्पादन_____क्षेत्रक की गतिविधि है।
(क) प्राथमिक। (ख) द्वितीयक
(ग) तृतीयक। (घ) सूचना प्रौद्योगिकी

उत्तर:- (क) प्राथमिक

स. किसी विशेष वर्ष में उत्पादित _____ के मूल्य के कुल योगफल को जी०डी०पी० कहते हैं।
(क) सभी वस्तुओं और सेवाओं (ख) सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं
(ग) सभी मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं। (घ) सभी मध्यवर्ती एवं अंतिम वस्तुओं और सेवाओं

उत्तर:- (घ) सभी मध्यवर्ती एवं अंतिम वस्तुओं और सेवाओं।

द. जी०डी०पी० के मदों में वर्ष 2003 में तृतीयक क्षेत्र की हिस्सेदारी _____ है।
(क) 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच (ख) 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत के बीच
(ग) 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत के बीच। (घ) 70 प्रतिशत।

उत्तर:- (ग) 50 प्रतिशत से 60 प्रतिशत के बीच।

प्रश्न 3. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए

कृषि क्षेत्रक की समस्याएँ	कुछ संभावित उपाय
1. असिंचित भूमि 2. फसलों का कम मूल्य 3. कर्ज भार 4. मंदी काल में रोजगार का अभाव 5. कटाई के तुरंत बाद स्थानीय व्यापारियों को अपना अनाज बेचने की विवशता	(अ) कृषि आधारित मिलों की स्थापना (ब) सहकारी विपणन समिति (स) सरकार द्वारा खाद्यान्नों की वसूली (द) सरकार द्वारा नहरों का निर्माण (य) कम ब्याज पर बैंकों द्वारा साख उपलब्ध कराना।

उत्तर 1. (द) 2. (ब) 3. (य) 4. (अ) 5. (स)।

प्रश्न 4. असंगत की पहचान करें और बताइए क्यों?

(क) **पर्यटन-निर्देशक, धोबी, दर्जी, कुम्हार**
(ख) **शिक्षक, डॉक्टर, सब्जी विक्रेता, वकील**
(ग) **डाकिया, मोची, सैनिक, पुलिस कांस्टेबल**
(घ) **एम०टी०एन०एल०, भारतीय रेल, एयर इंडिया, सहारा एयरलाइन्स, ऑल इंडिया रेडियो ।**

उत्तर

(क) पर्यटन-निर्देशक असंगत है, क्योंकि धोबी, दर्जी, कुम्हार सभी प्राथमिक क्षेत्र है जबकि पर्यटन-निर्देशक तृतीयक क्षेत्र है।
(ख) सब्जी विक्रेता असंगत है, क्योंकि बाकी तीनों तृतीयक क्षेत्रक में लगे हैं, जबकि सब्जी विक्रेता तृतीयक क्षेत्रक में नहीं आता।
(ग) मोची असंगत हैं, क्योंकि मोची निजी क्षेत्रक में आता है जबकि बाकी सब सार्वजनिक क्षेत्रक में आते हैं
(घ) सहारा एयरलाइंस असंगत है, क्योंकि यह निजी क्षेत्रक है बाकी सार्वजनिक क्षेत्रक है।

प्रश्न 5. एक शोध छात्र ने सूरत शहर में काम करने वाले लोगों से मिलकर निम्न आँकड़े जुटाए। तालिका को पूरा कीजिए। इस शहर में असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों की प्रतिशतता क्या है?

कार्य स्थान	रोजगार की प्रकृति	श्रमिकों का प्रतिशत
सरकार द्वारा पंजीकृत कार्यालयों और कारखानों में	संगठित	15
औपचारिक अधिकार-पत्र सहित बाजारों में अपनी दुकान, कार्यालय और क्लीनिक		15
सड़कों पर काम करते लोग निर्माण श्रमिक, घरेलू श्रमिक		20
छोटी कार्यशालाएँ, जो प्राय: सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं हैं		

उत्तर:-

कार्य स्थान	रोजगार की प्रकृति	श्रमिकों का प्रतिशत
सरकार द्वारा पंजीकृत कार्यालयों और कारखानों में	संगठित	15
औपचारिक अधिकार-पत्र सहित बाजारों में अपनी दुकान, कार्यालय और क्लीनिक	संगठित	15
सड़कों पर काम करते लोग निर्माण श्रमिक, घरेलू श्रमिक	असंगठित	20
छोटी कार्यशालाएँ, जो प्राय: सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं हैं	असंगठित	50

इस शहर में असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों की संख्या 70 प्रतिशत है।

प्रश्न 6. क्या आप मानते हैं कि आर्थिक गतिविधियों का प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र में विभाजन की उपयोगिता है? व्याख्या कीजिए कि कैसे ?

उत्तर:- हां हम मानते हैं कि आर्थिक गतिविधियों का प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्र में विभाजन करना बहुत उपयोगी है।

1. इससे अर्थशास्त्रियों को अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति को समझने में मदद मिलती है
2. इससे तीनों क्षेत्रको में अलग-अलग रोजगार की स्थिति का पता चल जाता है।
3. ऐसा करने से आर्थिक सुधारों को लागू करने के लिए आवश्यक आंकड़े प्राप्त हो जाते हैं।
4. इससे जिस क्षेत्र में आर्थिक सहयोग की आवश्यकता होती है उसका पता लग जाता है।

प्रश्न 7. इस अध्याय में आए प्रत्येक क्षेत्रकों को रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद (जी०डी०पी०) पर ही क्यों केन्द्रित करना चाहिए? चर्चा करें।

उत्तर:- इस अध्याय में आए प्रत्येक क्षेत्र को रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद पर ही केंद्रित करना चाहिए क्योंकि

1. आर्थिक विकास के लिए रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद दोनों का बहुत महत्व है।
2. तीनों क्षेत्रको की जीडीपी से अर्थव्यवस्था की पूरी तस्वीर मिल जाती है।
3. रोजगार के आंकड़ों से अर्थव्यवस्था की सेहत का पता चलता है।
4. सकल घरेलू उत्पाद तथा रोजगार के आंकड़ों से भविष्य की योजनाएं तैयार की जाती है।

प्रश्न 8. जीविका के लिए काम करने वाले अपने आसपास के वयस्कों के सभी कार्यों की लंबी सूची बनाइए। उन्हें आप किस तरीके से वर्गीकृत कर सकते हैं? अपने उत्तर की व्याख्या कीजिए।

उत्तर:- जीविका के लिए काम करने वाले आस पास के वयस्कों को हम निम्नलिखित आधार पर वर्गीकृत कर सकते हैं

(क) कार्य की प्रकृति के आधार पर वर्गीकरण:-

1. **प्राथमिक क्षेत्र**- जब हम प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किसी वस्तु का उत्पादन करते हैं तो इसे प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधि कहा जाता है। जैसे- कृषि, डेयरी, खनन कार्य, मत्स्य पालन आदि।
2. **द्वितीयक क्षेत्र-** प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली के जरिए अन्य रूप में परिवर्तित किया जाता है तो उसे द्वितीय क्षेत्र कहते हैं। जैसे- मिट्टी से ईट बनाना, कपास से कपड़ा बनाना, गन्ने से चीनी बनाना आदि।
3. **तृतीयक क्षेत्र**- क्षेत्रक में वस्तुओं का उत्पादन नहीं किया जाता बल्कि उत्पादन प्रक्रिया में सहयोग किया जाता है। इसके अंतर्गत बैंकिंग, परिवहन, बीमा, संचार आदि को शामिल किया जाता है।

(ख) रोजगार की दशाओं के आधार पर वर्गीकरण- रोजगार की दशाओं के आधार पर हम इसे दो भागों में बाँट सकते हैं।

1. **संगठित क्षेत्र** इसमें वे गतिविधियाँ आती हैं जिनमें सुनिश्चित कार्य होता है तथा इन्हें सरकारी नियमों को मानना पड़ता है। इसमें से वेतन छुट्टी भविष्य निधि सेवा अनुदान पेंशन इत्यादि निश्चित होते हैं
2. **असंगठित क्षेत्र**- ये क्षेत्र सरकारी नियंत्रण से बाहर होता है। इसमें रोजगार की अवधि तथा नियम, उपनियम आदि निश्चित नहीं होते।

(ग) उद्योगों के स्वामित्व के आधार पर वर्गीकरण - स्वामित्व के आधार पर दो क्षेत्रक है

1. **सार्वजनिक क्षेत्रक:** इनमें अधिकांश परिसंपत्तियों का स्वामित्व सरकार के पास होता है।
2. **निजी क्षेत्रक:** इनमें सभी संपत्तियों का स्वामित्व किसी एक व्यक्ति या व्यक्ति समूह के पास होता है।

उपरोक्त आधारों पर हम अपने आस-पास के लोगों को इस प्रकार से सूचीबद्ध कर सकते हैं

1. किसान	प्राथमिक क्षेत्र, असंगठित, निजी
2. सरकारी स्कूल के अध्यापक	तृतीयक, संगठित, सार्वजनिक क्षेत्र
3. वकील	तृतीयक, संगठित, सार्वजनिक क्षेत्र
4. दर्जी	द्वितीयक, असंगठित, निजी क्षेत्र
5. धोबी	तृतीयक, असंगठित, निजी क्षेत्र
6. डाकिया	तृतीयक, संगठित, सार्वजनिक क्षेत्र
7. श्रमिक	तृतीयक, संगठित, निजी क्षेत्र
8. लिपिक	तृतीयक, संगठित, सार्वजनिक क्षेत्र
9. पुजारी	तृतीयक, असंगठित, निजी क्षेत्र
10. कुम्हार	द्वितीयक क्षेत्र, असंगठित, निजी
11. टोकरी बुनकर	प्राथमिक क्षेत्र, असंगठित, निजी
12. कोरियर पहुंचाने वाला	तृतीयक, असंगठित, निजी क्षेत्र
13. फूलों की खेती करने वाला	प्राथमिक, असंगठित, निजी क्षेत्र
14. मधुमक्खी पालक	प्राथमिक क्षेत्र, असंगठित, निजी
15. दियासलाई कारखाने में श्रमिक	द्वितीयक, संगठित, निजी क्षेत्र
16. अंतरिक्ष यात्री	तृतीयक, संगठित, निजी क्षेत्र
17. दुग्ध विक्रेता	प्राथमिक क्षेत्र, असंगठित, निजी
18. महाजन	तृतीयक, असंगठित, निजी क्षेत्र
19. कॉल सेंटर का कर्मचारी	तृतीयक, संगठित, निजी क्षेत्र
20. मछुआरा	प्राथमिक क्षेत्र, असंगठित, निजी
21. माली	प्राथमिक क्षेत्र, असंगठित, निजी

प्रश्न 9. तृतीयक क्षेत्रक अन्य क्षेत्रकों से भिन्न कैसे हैं? सोदाहरण व्याख्या कीजिए ।

उत्तर:-

1. तृतीयक क्षेत्रक में किसी वस्तु का उत्पादन नहीं किया जाता बल्कि सेवाएँ प्रदान की जाती हैं जबकि अन्य क्षेत्रकों में किसी वस्तु का निर्माण किया जाता है।
2. तृतीयक क्षेत्रक की गतिविधियाँ प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रक के विकास में मदद करती हैं। जैसे- परिवहन, बैंकिंग, टेलीफोन, बीमा कंपनियां।
3. तृतीय क्षेत्रक में कुछ व्यक्तिगत सेवाएं भी आती है जैसे शिक्षक, डॉक्टर, धोबी, नाई, वकील इत्यादि।

प्रश्न 10. प्रच्छन्न बेरोजगारी से आप क्या समझते हैं? शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से उदाहरण देकर व्याख्या कीजिए।

उत्तर:- प्रच्छन्न बेरोजगारी से अभिप्राय ऐसी बेरोजगारी से है जिसमें लोग प्रत्यक्ष रूप से काम करते दिखाई दे रहे हैं किंतु वास्तव में वे बेरोजगार होते हैं। इसे छुपी हुई बेरोजगारी कहते हैं। उदाहरण के लिए गाँवों में खेती में जरूरत से ज्यादा लोग कार्य करते हैं जबकि उतने लोगों की आवश्यकता भी नहीं होती। इसी प्रकार शहरों में छोटी दुकान में परिवार के सभी लोग कार्य कर रहे हैं जबकि एक या दो की ही है।

प्रश्न 11. खुली बेरोजगारी एवं प्रच्छन्न बेरोजगारी के बीच विभेद कीजिए।

उत्तर:-

खुली बेरोजगारी वह परिस्थिति जिसमें काम करने वाले लोग तो बहुत ज्यादा है परंतु उन्हें काम मिल नहीं रहा है, उसे खुली बेरोजगारी कहते हैं।

प्रच्छन्न बेरोजगारी ऐसी बेरोजगारी जिसमें लोग प्रत्यक्ष रूप से काम करते दिखाई दे रहे हैं किंतु वास्तव में वे बेरोजगार होते हैं। इसे छुपी हुई बेरोजगारी कहते हैं। उदाहरण के लिए गाँवों में खेती में जरूरत से ज्यादा लोग कार्य करते हैं जबकि उतने लोगों की आवश्यकता भी नहीं होती।

प्रश्न 12. भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में तृतीयक क्षेत्रक कोई महत्त्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा रहा है।" क्या आप इससे सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए ।

उत्तर:- हम इस कथन से सहमत नहीं हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में तृतीयक क्षेत्रक कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा रहा हैं। ज्यादातर विकसित देशों में सकल घरेलू उत्पाद का अधिकांश भाग तृतीयक क्षेत्रक से ही प्राप्त होता है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तृतीयक क्षेत्र की भागीदारी में वृद्धि हुई है। क्योंकि वर्ष 1973 से 2003 तक 30 वर्षों मे यद्यपि सभी क्षेत्रों में उत्पादन में वृद्धि हुई किंतु तृतीयक क्षेत्रक के उत्पादन में सर्वाधिक वृद्धि हुई। इस काल में प्राथमिक क्षेत्रक की हिस्सेदारी 25% थी जबकि तृतीयक क्षेत्रक की हिस्सेदारी कोई 50% थी। इसी प्रकार रोजगार के आधार पर तृतीयक क्षेत्र में रोजगार वृद्धि की दर लगभग 300 प्रतिशत रही है जो द्वितीयक व प्राथमिक क्षेत्र से कहीं ज्यादा है।

आरेख 1 — जी. डी. पी. में क्षेत्रकों की हिस्सेदारी (%)

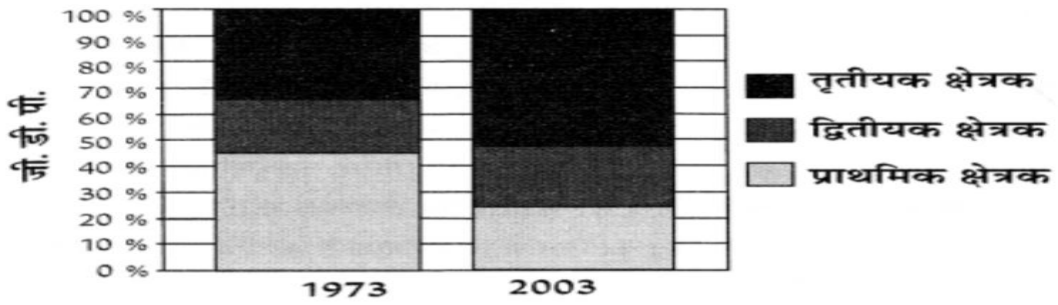

आरेख 2 — जी. डी. पी. में क्षेत्रकों की हिस्सेदारी (%)

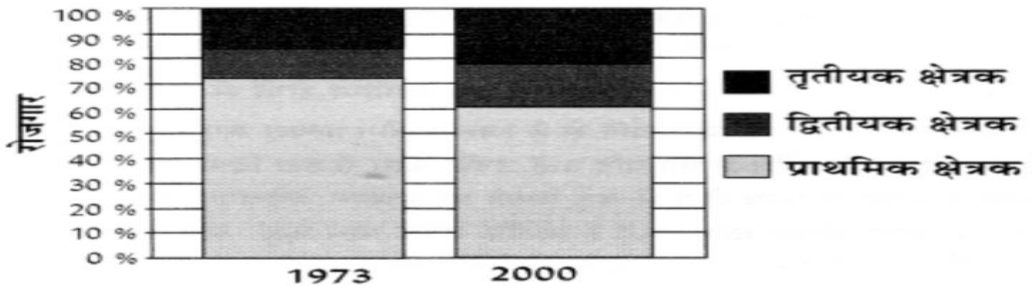

प्रश्न 13. भारत में सेवा क्षेत्रक दो विभिन्न प्रकार के लोग नियोजित करता है।" ये लोग कौन हैं ?

उत्तर: भारत में सेवा क्षेत्रक में दो विभिन्न प्रकार के लोग नियोजित करते हैं-

1. **अत्यंत कुशल और शिक्षित श्रमिक:** सेवा के क्षेत्र में अत्यंत कुशल और शिक्षित श्रमिक इसलिए लगे हैं क्योंकि आधुनिकीकरण के साथ-साथ सेवा क्षेत्रक में वृद्धि हो रही है। सूचना प्रौद्योगिकी के कारण अत्यंत कुशल श्रमिकों की सेवा क्षेत्रक में आवश्यकता पड़ती है।
2. **अकुशल तथा अशिक्षित:** श्रमिक बहुत अधिक संख्या में लोग छोटी दुकानों, मरम्मत कार्यों, परिवहन इत्यादि सेवाओं में लगे हुए हैं। ये अकुशल व अशिक्षित श्रमिक हैं। ये लोग बड़ी मुश्किल से जीविका निर्वाह कर पाते हैं और वे इन सेवाओं में इसलिए लगे हुए हैं क्योंकि उनके पास कोई अन्य वैकल्पिक अवसर नहीं हैं।

प्रश्न 14. "असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण किया जाता है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दीजिए।

उत्तर:- असंगठित क्षेत्रक में श्रमिकों का शोषण किया जाता है। इस विचार से हम सहमत हैं। श्रमिकों का निम्न प्रकार से शोषण किया जाता है।

1. श्रमिकों को बहुत कम वेतन दिया जाता है।
2. श्रमिकों को बिना किसी कारण काम से हटाया जा सकता है।
3. अतिरिक्त समय में काम करने पर अतिरिक्त वेतन नहीं दिया जाता है।
4. कार्य करते समय दुर्घटना होने पर क्षतिपूर्ति राशि नहीं दी जाती है।

प्रश्न 15. आर्थिक गतिविधियाँ रोजगार की परिस्थितियों के आधार पर कैसे वर्गीकृत की जाती हैं?

उत्तर: रोजगार की परिस्थितियों के आधार पर आर्थिक गतिविधियों को दो वर्गों में बाँटा जा सकता है-
1. संगठित क्षेत्रक, 2. असंगठित क्षेत्रक

MUKUTclasses

1. संगठित क्षेत्रक-

- संगठित क्षेत्रक में रोजगार की अवधि नियमित होती है।
- ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं।
- इन्हें सरकारी नियमों और विनियमों का पालन करना होता है।
- इसमें कर्मचारियों को रोजगार सुरक्षा के लाभ मिलते हैं।
- इसमें अधिक काम करते हैं तो उन्हें अतिरिक्त वेतन दिया जाता है।
- इस क्षेत्रक में सवेतन छुट्टी, अवकाश काल में भुगतान, भविष्य निधि, सेवानुदान पाते हैं।
- इसमें सेवानिवृत्ति पर पेंशन भी प्राप्त करते हैं।

2. असंगठित क्षेत्रक-

- असंगठित क्षेत्रक छोटी-छोटी और बिखरी इकाइयों से निर्मित होता है।
- ये इकाइयाँ अधिकांशतः सरकारी नियंत्रण से बाहर होती हैं।
- इसमें नियमों और विनियमों का पालन नहीं होता।
- यहाँ अतिरिक्त समय में काम करने, सवेतन छुट्टी, अवकाश, बीमारी के कारण से छुट्टी इत्यादि का कोई प्रावधान नहीं है।
- इस रोजगार में संरक्षण नहीं है तथा कोई लाभ नहीं है।

प्रश्न 16. संगठित और असंगठित क्षेत्रकों की रोजगार परिस्थितियों की तुलना करें।

उत्तर:- संगठित और असंगठित क्षेत्रकों की रोजगार परिस्थितियों में बहुत अंतर पाया जाता है। इन दोनों क्षेत्रकों की तुलना निम्नलिखित प्रकार से कर सकते हैं।

संगठित क्षेत्रक	असंगठित क्षेत्रक
1. यहाँ रोजगार की अवधि नियमित होती है। 2. ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं। 3. इसमें सरकारी नियमों, विनियमों का पालन किया जाता है। 4. इस क्षेत्रक में कर्मचारियों को रोजगार सुरक्षा के लाभ मिलते हैं 5. उन्हें सवेतन छुट्टी, भविष्य निधि, सेवानुदान आदि प्राप्त होता है। 6. सरकारी संस्थानों, सरकारी सहायता प्राप्त संस्थाओं तथा बड़ी-बड़ी कंपनियों में काम करना इसके उदाहरण हैं।	1. यहाँ रोजगार की अवधि नियमित नहीं होती। 2. ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत नहीं होते। 3. इसमें सरकारी नियमों, विनियमों का पालन नहीं होता है। 4. इस क्षेत्रक में कर्मचारियों को रोजगार सुरक्षा नहीं मिलती। 5. यहाँ सवेतन छुट्टी, भविष्य निधि, सेवानुदान आदि का कोई प्रावधान नहीं होता है। 6. इसमें भूमिहीन श्रमिक, छोटे किसान, सड़कों पर विक्रय करने वाले श्रमिक तथा कबाड़ उठाने वाले लोग शामिल हैं।

प्रश्न 17. मनरेगा 2005 (MNREGA 2005) के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर:- केंद्र सरकार ने भारत के 625 जिलों में काम का अधिकार लागू करने के लिए एक कानून बनाया है। इसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005' (MNREGA 2005) कहते हैं। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

1. ग्रामीण बेरोजगारी को समाप्त करना।
2. गरीबी उन्मूलन।
3. कुपोषण की समस्या को समाप्त करना।
4. ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि से उत्पादन बढ़ाना।

MUKUTclasses

प्रश्न 18. अपने क्षेत्र से उदाहरण लेकर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक की गतिविधियों एवं कार्यों की तुलना कीजिए।

उत्तर:-

सार्वजनिक क्षेत्रक- इसमें अधिकांश परिसंपत्तियों पर सरकार का स्वामित्व होता है। जैसे- भारतीय रेल, लोहा-इस्पात उद्योग, जहाज निर्माण आदि। सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसी वस्तुओं या सेवाओं का निर्माण होता है जो लोगों के लिए कल्याणकारी है। इनका उद्देश्य निजी हित या लाभ कमाना नहीं होता बल्कि सार्वजनिक लाभ इनका उद्देश्य होता है। इस क्षेत्र में वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमत का निर्धारण सरकार द्वारा किया जाता है।

निजी क्षेत्रक-वे उद्योग जो निजी व्यक्तियों के स्वामित्व में होते हैं निजी क्षेत्रक कहलाते हैं। इसमें वे उद्योग आते हैं जो आम जनता की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं जैसे- टेलीविजन, एयर कंडीशनर, फ्रिज आदि बनाने वाले उद्योग। ये गतिविधियाँ निजी लाभ कमाने के उद्देश्य से की जाती हैं। निजी क्षेत्र कल्याणकारी कार्य करने के लिए बाध्य नहीं है। यदि वह ऐसा कोई काम करता भी है तो उसकी अधिक कीमत लेता है जैसे निजी विद्यालय सरकारी विद्यालयों से अधिक फीस वसूलते हैं। निजी क्षेत्र के उद्योगों में वस्तुओं की कीमतों का निर्धारण बाजारी शक्तियों द्वारा होता है।

प्रश्न 19. अपने क्षेत्र से एक-एक उदाहरण देकर निम्न तालिका को पूरा कीजिए और चर्चा कीजिए।

उत्तर:-

	सुव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन	**अव्यवस्थित प्रबंध वाले संगठन**
सार्वजनिक क्षेत्रक	आई.आर.सी.टी.सी.	बी.एस.एन.एल
निजी क्षेत्रक	रिलायंस इंडस्ट्रीज	फ्यूचर रिटेल

प्रश्न 20. सार्वजनिक क्षेत्र की गतिविधियों के कुछ उदाहरण दीजिए और व्याख्या कीजिए कि सरकार द्वारा इन गतिविधियों का कार्यान्वयन क्यों किया जाता है?

उत्तर:- सार्वजनिक क्षेत्रक की गतिविधियों के तीन उदाहरण हैं डाकघर, रेलवे तथा बैंक आदि। इन गतिविधियों का संचालन सरकार करती है। इसके कई कारण हैं

1. ये ऐसी चीजें हैं जिनकी आवश्यकता समाज के सभी लोगों को होती है। परंतु इन्हें निजी क्षेत्रक उचित कीमत पर उपलब्ध नहीं कराते हैं, क्योंकि इनमें बहुत अधिक खर्च होता है।
2. कुछ गतिविधियाँ ऐसी होती हैं जिन्हें सरकारी समर्थन की जरूरत पड़ती है। निजी क्षेत्रक उन व्यवसायों को तब तक जारी नहीं रख सकते जब तक सरकार उन्हें प्रोत्साहित नहीं करती।
3. अधिकतर आर्थिक गतिविधियाँ ऐसी हैं जिनकी प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार पर है। इन पर व्यय करना भी सरकार की अनिवार्यता है।

प्रश्न 21. व्याख्या कीजिए कि किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक कैसे योगदान करता है?

उत्तर:- किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्रक का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं होता। सभी महत्त्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन सार्वजनिक क्षेत्रक के द्वारा किया जाता है। ऐसी गतिविधियाँ जिनकी आवश्यकता सभी लोगों को होती है, जैसे सड़कों, पुलों, रेलवे, पत्तनों, बिजली आदि का निर्माण और बाँध आदि से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना सार्वजनिक क्षेत्रक का काम है। सरकार ऐसे भारी व्यय स्वयं उठाती है। सरकार किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए गेहूँ और चावल खरीदती है। इसे अपने गोदामों में भंडारित करती है और राशन की दुकानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को कम मूल्य पर बेचती है। इस प्रकार सरकार किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को सहायता पहुँचाती है।

सभी के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएँ उपलब्ध कराना जैसे प्राथमिक कार्य भी सार्वजनिक क्षेत्रक में आते हैं। समुचित ढंग से विद्यालय चलाना और गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है। इस प्रकार किसी देश के आर्थिक विकास में सार्वजनिक क्षेत्रक का योगदान महत्त्वपूर्ण है।

प्रश्न 22. असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों को निम्नलिखित मुद्दों पर संरक्षण की आवश्यकता है-मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर: असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को मजदूरी, सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर संरक्षण की आवश्यकता है। इसे निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है-

1. **मजदूरी**:- असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को काम करने का समय निश्चित नहीं है उन्हें 10 से 12 घंटे तक बिना ओवरटाइम के कार्य करना पड़ता है। इन श्रमिकों में प्राय: रोजगार सुरक्षा का अभाव पाया जाता है। गरीबी के कारण ये प्रायः कम मजदूरी दरों पर काम करने को तैयार हो जाते हैं। इसलिए इन्हें इस संदर्भ में सुरक्षा दी जानी चाहिए। इनके भी काम करने के घंटे तथा मजदूरी निश्चित होनी चाहिए।

2. **सुरक्षा**:- इस क्षेत्र के श्रमिक प्रायः जोखिम वाले कार्यों में संलग्न रहते हैं जैसे ईंट उद्योग, कोयले की खानों आदि में कार्य करते हैं। अतः इनकी सुरक्षा की गारंटी मिलनी चाहिए।

3. **स्वास्थ्य**:- ये श्रमिक गरीब होते हैं। इनको पौष्टिक आहार नहीं मिल पाता। ये स्वास्थ्य के विपरीत परिस्थितियों में काम करते हैं। इन कारणों से इनकी स्थिति अच्छी नहीं होती। इनके स्वास्थ्य के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए।

प्रश्न 23. अहमदाबाद में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि नगर के 15,00,000 श्रमिकों में से 11,00,000 श्रमिक असंगठित क्षेत्रक में काम करते थे। वर्ष 1997-98 में नगर की कुल आय 600 करोड़ रुपये थी, इसमें से 320 करोड़ रुपये संगठित क्षेत्रक से प्राप्त होती थी। इस आँकड़े को सारणी में प्रदर्शित कीजिए। नगर में और अधिक रोजगार सृजन के लिए किन तरीकों पर विचार किया जाना चाहिए?

उत्तर:- 1997-98 में अहमदाबाद नगर के आँकड़े

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र	श्रमिकों की संख्या	आय (रु. करोड़ में)
संगठित असंगठित कुल	400000 1100000 1500000	320 280 600

अहमदाबाद नगर में और अधिक रोजगार सृजन के लिए निम्नलिखित पर विचार किया जाना चाहिए:

1. सरकार को असंगठित क्षेत्रक को संगठित क्षेत्रक में लाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
2. शिक्षा के स्वरूप को बदलना होगा। शिक्षा तकनीकी तथा व्यवसायिक हो ताकि अधिक-से-अधिक लोग काम में लगें।
3. लोगों को स्वरोजगार प्रारंभ करने के लिए उचित वित्तीय तथा तकनीकी सहायता प्राप्त करानी चाहिए।

प्रश्न 24. निम्नलिखित तालिका में तीनों क्षेत्रकों का सकल घरेलू उत्पाद (जी०डी०पी०) रुपये (करोड़) में दिया गया है

वर्ष	प्राथमिक	द्वितीयक	तृतीयक
2000	52,000	48,500	1,33,500
2013	8,00,500	10,74,000	38,68,000

1. वर्ष 2000 एवं 2013 के लिए जी०डी०पी० में तीनों क्षेत्रकों की हिस्सेदारी की गणना कीजिए।
2. अध्याय में दिए आरेख -2 के समान इसे दंड-आरेख के रूप में प्रदर्शित कीजिए।
3. दंड-आरेख से हम क्या निष्कर्ष प्राप्त करते हैं?

उत्तर:- 1.जी०डी०पी० में तीनों क्षेत्रकों की हिस्सेदारी:-

वर्ष	प्राथमिक	द्वितीयक	तृतीयक	कुल
2000	52,000	48,500	1,33,500	2,34,000
2013	8,00,500	10,74,000	38,68,000	57,42,500

2.दंड-आरेख

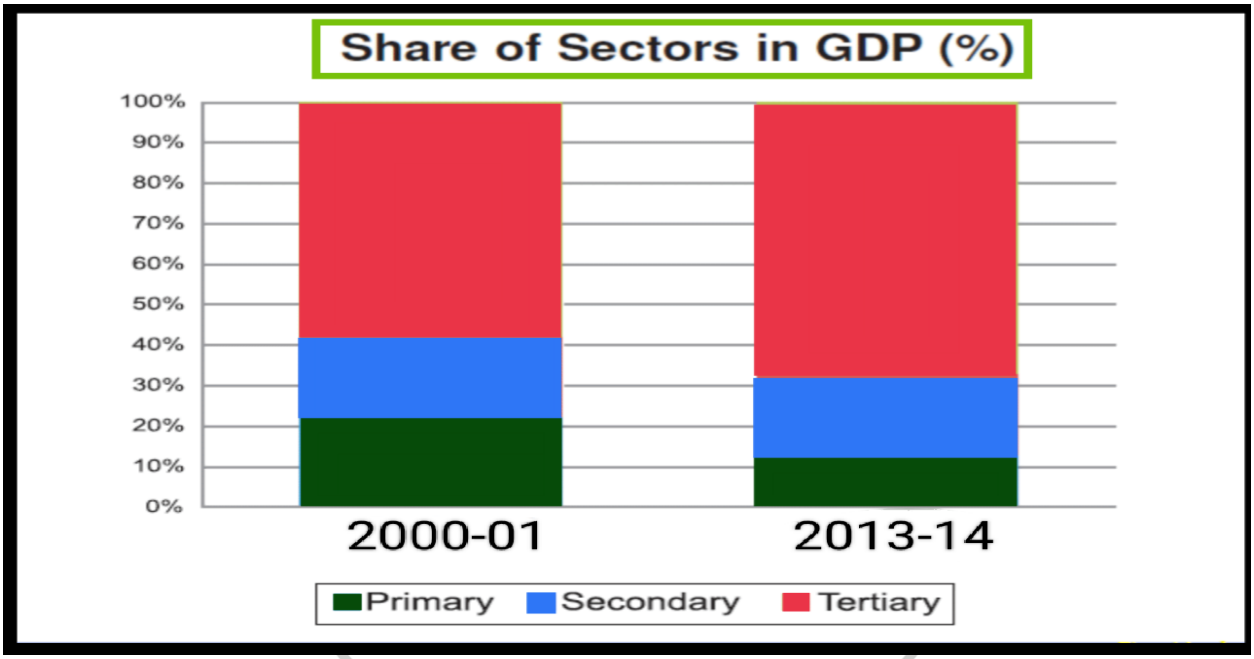

3. इस दण्ड आरेख से सिद्ध होता है कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जहाँ प्राथमिक क्षेत्र का योगदान कम हो गया है, वहीं द्वितीयक तथा तृतीयक क्षेत्रकों में वृद्धि हुई है। तृतीय क्षेत्र का योगदान बहुत तेज गति से बढ़ा है।